**Title:** Need to give direction to the State Government of Madhya Pradesh to look into drought situation in Murena district and the dacoits problem.

**श्री अशोक अर्गल (मुरैना)** : महोदय, मध्य प्रदेश का मुरैना जिला सूखे की चपेट में है। राजस्थान के कोटा वेरिज की चम्बाम दाहिनी से पानी मध्य प्रदेश में आता था, उस नहर में अब पानी नहीं है। इस नहर से पहले 3900 क्यूसैक पानी आता था, जो घट कर 1500 क्यूसैक पानी रह गया है। पूरा जिला सूखे की चपेट में होने कारण सूखाग्रस्त घोाित कर दिया गया है, परन्तु राज्य सरकार द्वारा कोई मुआवजा राशि नहीं दी गई है और न ही राहत कार्य शुरू किए गए हैं। इसी के कारण वहां डाकू समस्या पनप रही है और गरीब लोगों का अपहरण हो रहा है। राज्य सरकार की कानून व्यवस्था फेल हो गई है। रात में लोग लूट लिए जाते हैं। मेरा सरकार से अनुरोध है कि राज्य सरकार को स्पेशल निर्देश दिए जायें कि वे सूखे की स्थिति पर विशेा ध्यान दे। पहले 1972 में चम्बल घाटी से 400 लोगों ने सरन्डर किया था, लेकिन अब डाकुओं की संख्या बढ़ गई है। मेरा सरकार से निवेदन है कि इस ओर विशेा ध्यान दिया जाए।